HINDI SELF ASSESSMENT TERM-1 MODEL PAPER -2026-27

PRIMARY KEY

दसवीं कक्षा -10 CLASS 10.11.2026

भाग 1

1.अ. वास्तविक लोकगीत मुख्य रूप से देश के गाओं और देहातों में गाए जाते हैं।

आ. C

इ. B

ई. C

2.अ. कवि के अनुसार नर समाज का भाग्य श्रम और भुजबल हैं ।

आ. A

इ. B

ई. A

3.अ. निर्जीव चित्र बनाने से कागज पर दो -चार लोगों की जिंदगी बनाना अच्छा है।

आ. C

इ. A

ई. A

4.अ.

i) बिहारी का जीवनकाल सन् 1595 से सन् 1663 था।

ii) बिहारी के गुरु का नाम नरहरिदास थे।

iii) बिहारी के दोहे नीतिपरक थे।

iv) बिहारी के दोहों में गागर में सागर भर देते हैं।

v) बिहारी के प्रसिद्ध काव्य बिहारी सतसई थे।

आ)

i) सुमित्रानंदनपंत छायावाद के प्रमुख कवि हैं।

ii) सुमित्रानंदनपंत प्रकृति के भेजोड कवि माने जाते हैं।

iii) सुमित्रानंदनपंत का जन्म 20 मई सन् 1900 में हुआ।

iv) सुमित्रानंदन पंत को चिदंबरा काव्य पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला।

v) सुमित्रानंदन पंत का निधन सन् 1977 में हुआ।

5) i) पद्म भूषण

ii) सन् 1912

iii) विष्णु प्रभाकर

iv) आवारा मसीहा

v) प्रेमचंद

भाग-II

6.अ. गिलहरी

आ. C

इ. A

ई. A

7. अ) राजा के दरबार में बड़े बुद्धिमान और चतुर व्यक्ति तेनाली रामकृष्ण था।

आ) वे बड़े बुद्धिमान और चतुर थे।

इ) कृष्णदेवराय किस राज्य के प्रतापी राजा थे।

ई) पूर्ण विराम

भाग -III

8. अ) कनक-कनक तैं सौ गुनी, मादकता अधिकाइ।
उहि खाए बौराइ जग, इहिं पाए बौराइ।।

(या)

आ) यह प्रश्न "बरसते बादल" पाठ से दिया गया है। कवि- सुमित्रानंदन पंत जी है। धरती की शोभा का प्रमुख कारण वर्षा है। वर्षा ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य देखनेलायक होती है। वर्षा ऋतु में प्रकृति हरी भरी और सुंदर होती है। सावन के मेघ बरसते हैं। सुंदर इंद्रधनुष झूले की तरह दिखता है। तालाब, नदियाँ आदि पानी से भर जाते हैं।

9 अ) यह प्रश्न "लोकगीत" पाठ से दिया गया है। इस पाठ के लेखक भगवतशरण उपाध्याय जी हैं। दिनभर खेतों में कड़ी मेहनत करने के बाद ग्रामीण जनता अपनी थकान मिटाने के लिए सामूहिक रूप से गीत गाती है। लोकगीतों के विषय रोज़मर्रा के जीवन से जुड़े होते हैं। ये सीधे मर्म को छूते हैं और ग्रामीण जनता को अत्यंत आनंद और उल्लास प्रदान करते हैं, इसलिए ये उनके मनोरंजन का प्रमुख साधन हैं।

(या)

आ) यह प्रश्न "अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी" पाठ से दिया गया है। यह एक संकलित पाठ है। भारत में अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं। इन सभी प्रांतों को जोड़ने और संपर्क स्थापित करने के लिए हिंदी ही सबसे सशक्त माध्यम है। अतः हिंदी अनेकता में एकता का श्रेष्ठ प्रतीक है।

10 अ) यह प्रश्न "दक्षिणी गंगा गोदावरी" पाठ से दिया गया है। इस पाठ के लेखक काका कालेलकर जी हैं। भारत में नदियों कोपवित्र और जीवनदायिनी माना जाता है। गोदावरी नदी युगों-युगों से इस धरती को अपने जल से सींच रही है। लेखक के अनुसार, गोदावरी ने राम-लक्ष्मण, सीता और बूढ़े जटायु से लेकर अनेक शूरवीरों, तत्वज्ञानियों, साधु-संतों और ईश्वर भक्तों को अपने जल से स्तन्य-पान (पोषण) कराया है। वह चारों वर्णों की माता और पूर्वजों की रक्षा करने वाली देवी है। उसके जल में जीवन देने की अमोघ शक्ति है, इसीलिए लेखक ने उसे श्रद्धापूर्वक 'धीर-गंभीर माता' की संज्ञा दी है।

(या)

आ) यह प्रश्न "स्वराज्य की नींव" पाठ से दिया गया है। 'स्वराज्य की नींव' का तात्पर्य उन महान देशभक्तों और बलिदानियों से है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। वे स्वयं तो आज़ादी का सुख नहीं देख पाए, लेकिन उनके त्याग और बलिदान रूपी नींव पर ही भारत की आज़ादी की शानदार इमारत खड़ी हुई।

11 अ) ज. यह प्रश्न " शांति की राह में " नामक उपवाचक पाठ से दिया गया है। नेल्सन मंडेला का जन्म 18, जुलाई, 1918 को दक्षिण अफ्रीका में हुआ। वे दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति थे। रंगभेद विरोध के कारण उन्होंने 27 वर्ष रॉबिन द्वीप के कारागार में बिताया। मंडेला के जीवन से हमें शांति की राह में चलने का संदेश मिलता है।

(या)

आ) ज. राजू को नये स्कूल के बच्चे 'गंवार' समझते थे। वे समझते थे कि वह वार्षिक परीक्षा में फेल हो जाता था। लेकिन राजू खूब परिश्रम से पढ़ने लगा। एक सप्ताह में वार्षिक परीक्षा समाप्त हो गयी। परिणाम निकले। राजू कक्षा में प्रथम आया। इसप्रकार राजू ने अपने पुराने स्कूल को एक अच्छा उपहार दिया।

भाग-IV

12 अ)

ज) **परिचय** : यह प्रश्न "हम भारतवासी" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : हम भारतवासी

विधा : कविता

कवि : आर. पी. निशंक जी कवि का नाम

प्रमुख रचनाएँ : समर्पण, नवंकुर, जीवन पथ में, कोई मुश्किल नहीं

विश्लेषण :

- हम भारतवासी दुनिया को पावन धाम बनाएँगे।
- ऊँच-नीच का भेद मिटाने के लिए सब में प्यार भरेंगे।

- निराशा को दूर करके विश्वास जगाएँगे।
- उलझन में उलझे लोगों को तथ्य-दीप समझाएँगे।
- पथभ्रष्ट लोगों को सही मार्ग दिखाएँगे।
- सबके जीवन में सुख, शांति और आनंद का संचार करेंगे।
- सब में सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण के भाव जगाएँगे।
- धरती को स्वर्ग बनाएँगे।
- संसार में विश्वबंधुत्व का मूलमंत्र फैलाएँगे।
- कवि का विश्वास है कि भारतीय संस्कृति के आदर्श पूरे विश्व का कल्याण कर सकते हैं।

विशेषता : इस कविता में देशप्रेम, मानवता, विश्वशांति तथा विश्वबंधुत्व की भावना का सुंदर चित्रण किया गया है। कविता की भाषा सरल, सरस एवं प्रभावशाली है तथा यह सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण जैसे जीवन-मूल्यों की प्रेरणा देती है।

(या)

आ) ज) **परिचय :** यह प्रश्न "भक्ति पद" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : भक्ति पद (मीरा के पद)
कवयित्री : मीराबाई
जीवनकाल : सन् 1498 - सन् 1573
रचना : मीराबाई पदावली
विशेष : कृष्णोपासक कवयित्रियों में श्रेष्ठ

विश्लेषण :

- मीराबाई कृष्ण की अनन्य भक्त थीं।
- उनकी भक्ति सगुण और माधुर्य भाव की थी।
- वे कहती हैं कि उन्हें ईश्वर के नाम रूपी अमूल्य धन प्राप्त हुआ है।
- यह धन उन्हें उनके सद्गुरु की कृपा से मिला है।
- उन्होंने संसार की मोह-माया छोड़कर सच्ची आध्यात्मिक संपत्ति प्राप्त की है।
- ईश्वर के नाम का यह धन कभी कम नहीं होता, बल्कि दिन-प्रतिदिन बढ़ता जाता है।
- इसे कोई चोर चुरा नहीं सकता।
- सद्गुरु के मार्गदर्शन से मनुष्य जीवन रूपी भवसागर को पार कर सकता है।
- इस पद में मीराबाई की कृष्ण-भक्ति और गुरु की महिमा का सुंदर वर्णन है।

विशेषता : सद्गुरु के मार्गदर्शन से मनुष्य जीवन रूपी भवसागर को सरलता से पार कर सकता है। इस - पद में मीराबाई ने ईश्वर के नाम रूपी धन को सबसे श्रेष्ठ बताया है तथा कृष्ण के प्रति अपनी अटूट भक्ति को व्यक्त किया है।

13 अ) ज) **परिचय:** यह प्रश्न "लोकगीत" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : लोकगीत

लेखक : भगवतशरण उपाध्याय जी

जीवनकाल : 1910-1982

रचनाएँ : कालिदास का भारत, गंगा गोदावरी

सारांश:

- लोकगीत सीधे जनता के संगीत हैं।
- ये गीत त्यौहारों, विवाह, जन्म और विशेष अवसरों पर गाए जाते हैं।
- इन्हें गाने में ढोलक, बाँसुरी, झाँझ आदि वाद्य यंत्रों का उपयोग होता है।
- भारत में लोकगीतों के अनेक प्रकार हैं। गोंड-खांड, भील-संथाल आदिवासियों के अपने गीत हैं।
- लोकगीत ताजगी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न होते हैं।
- भोजपुरी क्षेत्र में 'बिदेसिया' लोकगीत बहुत लोकप्रिय है। इसमें परदेशी प्रेमी की याद, करुणा तथा विरह का वर्णन मिलता है।
- पहाड़ी क्षेत्रों के अपने विशेष लोकगीत होते हैं। गढ़वाल, काँगड़ा के गीतों को 'पहाड़ी' कहा जाता है।
- बिहार में 'बिदेसिया' और बुंदेलखंड में 'आल्हा' के गीत प्रसिद्ध हैं।
- बारहमासा (उत्तर प्रदेश), माहिया (पंजाबी), ढोला-मारू (राजस्थान) तथा बाउल (बंगाल) प्रसिद्ध लोकगीत हैं।
- भारत में स्त्रियाँ हर शुभ अवसर पर दल बाँधकर लोकगीत गाती हैं।
- लोकगीत स्वच्छ जीवन और भारतीय संस्कृति के सच्चे दर्पण हैं।

उपसंहार: इस निबंध के माध्यम से लेखक ने बताया है कि लोकगीत केवल गीत नहीं हैं, बल्कि हमारी संस्कृति, ग्रामीण जीवन के आनंद और उल्लास के सच्चे प्रतीक हैं।

(या)

आ) **परिचय:-** यह प्रश्न "ईदगाह" पाठ से दिया गया है। यह एक कहानी पाठ है। इसके लेखक श्री प्रेमचंद जी हैं। इनका जीवनकाल सन् 1880-1936 है। इनकी प्रमुख रचनाएँ 'गोदान', 'गबन' तथा 'सेवासदन' हैं। प्रस्तुत कहानी में हामिद के त्याग, प्रेम, सद्भाव तथा अपनी दादी के प्रति सम्मान की भावना का मार्मिक चित्रण किया गया है।

विश्लेषण:-

- प्राचीन काल से ही नैतिक मूल्य भारतीय जीवन के प्रतिबिंब रहे हैं। ये हर भारतीय में समाए हैं। हम अपने बुजुर्गों का बड़ा ध्यान रखते हैं।
- हामिद भोली सूरत का 4-5 साल का दुबला-पतला लड़का था। वह नादान बालक था।

- उसके माता-पिता मर गये थे। वह अपनी दादी अमीना के साथ रहता था। वह दादी से बहुत प्यार और आदर करता था।

- हामिद के मित्र महमूद, मोहसिन, नूरे और सम्मी थे।

- मेले में महमूद ने भिश्ती, मोहसिन ने सिपाही, नूरे ने वकील और सम्मी ने धोबिन खरीदे।

- हामिद को ख्याल आता है, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती हैं तो हाथ जल जाते हैं। दादी भी बहुत प्रसन्न होती, इसलिए हामिद ने तीन पैसे से चिमटा खरीदा था।

- अमीना खुश है कि हामिद उसका ख्याल रखता है।

- हामिद में त्याग, सद्भाव और विवेक है।

- दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर उसका मन कितना ललचाया होगा।

- वहाँ भी अपनी दादी की याद आयी। इसलिए अमीना का मन गद् गद् हो गया।

विशेषता:- इस कहानी में दादी और पोते का मार्मिक प्रेम दर्शाया गया है। बड़े-बुजुर्गों के प्रति प्रेम, सेवा और सम्मान करना हमारा कर्तव्य है।

भाग -V

14. अ & आ . अंक विभाजन 6 MARKS – पत्र लेखन

स्थान, दिनांक	– 1अंक
प्रेषक	– ½ अंक
सेवा में	– ½ अंक
संबोधन	– ½ अंक
विषय वस्तु	– 3 अंक
समाप्ति	– ½ अंक
कुल	– 6 अंक

15. अ & आ अंक विभाजन 6 MARKS – निबंध लेखन

प्रस्तावना	– 1 अंक
विषय विश्लेषण	– 3 अंक
उपसंहार	– 1 अंक
भाषा-शैली	– 1 अंक
कुल	– 6 अंक

16)

मेरे प्रिय हिंदी लेखक – काका कालेलकर

1. लेखक का नाम : काका कालेलकर। इनका पूरा नाम दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर है।

2. जन्म : सन् 1885 में हुआ।

3. साहित्य की विधा : निबंध एवं यात्रा-वृत्तांत।

4. प्रसिद्ध रचनाएँ : दक्षिणी गंगा गोदावरी।

5. विशेषताएँ / पुरस्कार (सम्मान) : काका कालेलकर ने आजीवन गांधीवादी विचारधारा का पालन किया। इन्होंने हिन्दुस्तानी प्रचार सभा के माध्यम से हिंदी भाषा की खूब सेवा की। वे राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं।

6. प्रिय होने के कारण : ये मेरे प्रिय लेखक हैं क्योंकि इन्होंने अपने यात्रा-वृत्तांत में गोदावरी नदी के प्राकृतिक सौंदर्य का अत्यंत सजीव, रोचक और ज्ञानवर्धक वर्णन किया है, जिसे पढ़कर प्रकृति के प्रति प्रेम जागृत होता है।

भाग -VI (भाषा की बात)

17) पूरब

18) दी

19)1974

20) से

21) पीयूष

22) निराकार

23) बहुव्रीहि समास

24) उत्+माद

25) बे

26) इक

27) नींद हराम करना

28) लड़के गाना गा रहे हैं।

29) बच्चे खेल रहे हैं।

30) वे गोदावरी के जल से कलश भर कर ले जाएंगे।

31) हम बाजार जाते हैं।

प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर हिंदी अध्यापक के हस्ताक्षर